

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और एडीबी कंट्री डायरेक्टर मियो ओका की मुलाकात

350 बिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था का लक्ष्य प्राप्त करने में एडीबी महत्वपूर्ण रणनीतिक साझेदार- मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

जयपुर, 30 अप्रैल। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने विश्वास व्यक्त किया है कि प्रदेश को वर्ष 2030 तक 350 बिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने का लक्ष्य प्राप्त करने में एशियन डवलपमेंट बैंक (एडीबी) महत्वपूर्ण रणनीतिक साझेदारी, निर्वाह करेगा। उन्होंने शहरी विकास और सड़क निर्माण के अलावा, अन्य क्षेत्रों में भी एडीबी के साथ साझेदारी बढ़ाए जाने पर बल देते हुए कहा कि 2047 तक विकसित राजस्थान बनाने के लिए एडीबी का सहयोग महत्वपूर्ण रहेगा।

■ सड़क तंत्र, बुनियादी ढांचे के विकास सहित अन्य क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर चर्चा हुई।

मुख्यमंत्री ने बुधवार को एडीबी के 16 सदस्यीय प्रतिनिधिमण्डल के साथ प्रदेश के सड़क तंत्र के उन्नयन, बुनियादी ढांचे के विकास सहित, विभिन्न विषयों एवं संभावित निवेश पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि विकास की हमारी साझा प्राथमिकताओं में एडीबी का हमेशा से ही महत्वपूर्ण योगदान रहा है। उन्होंने कहा कि एडीबी और राजस्थान द्वारा साथ मिलकर काम करने से रणनीतिक साझेदारी के साथ-साथ रोजगार के अवसरों को गति मिलेगी।

शर्मा ने कहा कि वर्तमान में राज्य के शहरी क्षेत्रों के विकास के लिए



मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बुधवार को एशियन डवलपमेंट बैंक की कंट्री डायरेक्टर मियो ओका से मुलाकात की। उन्होंने एडीबी के 16 सदस्यीय प्रतिनिधिमण्डल के साथ प्रदेश के सड़क तंत्र के उन्नयन, बुनियादी ढांचे के विकास सहित, विभिन्न विषयों एवं संभावित निवेश पर चर्चा की।

आरयूआईडीपी परियोजना एवं सड़क क्षेत्र के उन्नयन के लिए राजस्थान हाईवे इन्वेस्टमेंट प्रोग्राम के माध्यम से एडीबी सहयोग कर रहा है।

मुख्यमंत्री ने प्रदेश में पेयजल एवं सिंचाई की बेहतर व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए एडीबी से इस दिशा में सहयोग की पेशकश की। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री जल जीवन मिशन (शहरी) के अंतर्गत, शहरी क्षेत्रों

में पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित करने के राज्य सरकार के संकल्प में भी एडीबी साझेदार रहेगा। ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती प्रदान करने के लिए राजमार्ग विकास परियोजनाओं में भी एडीबी की भागीदारी रहेगी।

बैठक में कंट्री डायरेक्टर ओका ने देश में ग्रीन बजट लाने की राजस्थान की अभिनव पहल की प्रशंसा करते हुए, जैव विविधता, ग्रीन फाइनेंस, ग्रीन-

ऑडिट, क्लीन टेक्नोलोजी के क्षेत्रों में एडीबी के सहयोग का प्रस्ताव किया। साथ ही, रोजगार, कौशल विकास, सूक्ष्म-सिंचाई, वानिकी व पर्यवरण जैसे नवीन क्षेत्रों के वित्त-पोषण हेतु एडीबी अधिकारियों ने रूचि दिखाई।

इस दौरान उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी, नगरीय विकास राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) झावर सिंह खर्रा एवं वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित थे।

अल्ट्रा साउण्ड ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

आवेदन मांगे थे। इसमें प्रावधान किया गया कि पहले राउंड में प्रदेश की मेडिकल कॉलेज से एमबीबीएस करने वाले चिकित्सकों और सेवारत डॉक्टरों को शामिल किया जाएगा। वहीं, यदि बाद में सीटें खाली रही तो दूसरे और बाद के राउंड में प्रदेश के बाहर से एमबीबीएस करने वालों को मौका मिलेगा। इसे हाईकोर्ट में चुनौती देते हुए कहा कि नेशनल मेडिकल कमीशन देश में कहीं से भी एमबीबीएस करने वाले चिकित्सकों को योग्यता के आधार पर एक समान मानता है। ऐसे में कोर्स में प्रवेश के लिए प्रार्थी के साथ जगह के आधार पर भेदभाव नहीं किया जा सकता। पीसीपीएफडीटी नियम, 2014 के तहत, नीट पीजी के अंकों के आधार पर इस कोर्स में प्रवेश देने का प्रावधान है। यह शर्त संविधान के अनुच्छेद 14 के तहत समानता के सिद्धांत का उल्लंघन है। प्रार्थी ने गुजरात से एमबीबीएस किया है और वह नेशनल मेडिकल कमीशन से मान्य है। इसलिए उसे कोर्स में काउंसिलिंग में शामिल करें। वहीं दूसरी ओर राज्य सरकार की ओर से मामले में जवाब पेश करने के लिए समय मांगा गया। इस पर अदालत ने याचिकाकर्ता को प्रथम राउंड की काउंसिलिंग में शामिल करने को कहा है।

‘अगली जनगणना ‘जातिगत ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

मजबूत होगा, देश प्रगति करेगा। कांग्रेस और विपक्षी गठबंधन इंडिया ने पूर्व चुनाव में जातिगत जनगणना को प्रमुख मुद्दा बनाया था। राहुल गांधी ने आबादी के अनुपात में प्रतिनिधित्व देने का वादा किया था।

जनगणना की कवायद अप्रैल 2020 में शुरू होनी थी, पर कोविड के कारण शुरू नहीं हो पाई थी।

वैष्णव ने कहा, वर्ष 2010 में तत्कालीन प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह ने लोकसभा में आश्वासन दिया था कि जातिगत जनगणना पर मंत्रिमंडल में विचार किया जाएगा। इसके लिए मंत्रियों के एक समूह का गठन भी हुआ था क्योंकि कई दलों ने जातिगत जनगणना करवाने की मांग की थी। लेकिन कांग्रेस सरकार ने सिर्फ एक सर्वेक्षण कराया, जातिगत जनगणना नहीं करवाई।

उक्त सर्वे को एसईसीसी के नाम से जाना जाता है।

मंत्री ने कहा, स्पष्ट है कि कांग्रेस और उसका इंडिया गठबंधन, जातिगत जनगणना के मुद्दे को राजनैतिक हथियार के रूप में इस्तेमाल कर रहा है।

वैष्णव ने बताया कि संविधान के अनुच्छेद 246 के तहत जनगणना एक केन्द्रीय विषय है (संघ सूची में प्रविष्ट 69 के तहत) और केन्द्र सरकार के अधिकार क्षेत्र में आता है।

कुछ राज्यों ने जातियों की गणना के लिए सर्वेक्षण किए हैं, कुछ ने यह कार्य अच्छे ढंग से किया जबकि कुछ ने केवल राजनीतिक मकसद से इसे अपराधशील तरीके से किया जिससे समाज में संदेह पैदा हुआ।

उन्होंने कहा, “यह दिखाता है कि हमारी सरकार हमारा और देश के हितों के लिए प्रतिबद्ध है, जैसे

भारतीय आकाश में नहीं उड़ेंगे पाक विमान

नई दिल्ली, 30 अप्रैल। भारत ने बुधवार देर रात पाकिस्तान के लिए अपना एयरबेस बंद कर दिया। यानी पाकिस्तान की किसी भी तरह की फ्लाइट 23 मई तक भारतीय एयरस्पेस में नहीं उड़ सकेगी।

भारत ने पाकिस्तान के लिए “नोटिस टु एयरमैन” जारी किया है। इसमें कहा गया है कि अगर कोई फ्लाइट इंडियन जोन में आती है, तो उस पर एक्शन लिया जाएगा। पाकिस्तान ने 23 अप्रैल को भारत के लिए अपना एयरस्पेस बंद करने का फैसला लिया था।

यह फैसला प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी,

■ भारत ने पाकिस्तान के विमानों के लिए 23 मई तक एयरस्पेस बंद करने की घोषणा की।

विदेश मंत्री एस. जयशंकर, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल और सेना प्रमुख उपेन्द्र द्विवेदी की हाई लेवल मीटिंग के बाद आया। यह मीटिंग एक घंटे चली।

हालांकि यह नहीं बताया गया कि एयरस्पेस बंद करने का फैसला इसी बैठक में लिया गया। एयरस्पेस बंद करने से पाकिस्तान की इरॉनोमी पर बड़ा असर पड़ेगा। पाकिस्तान को थाईलैंड, बांग्लादेश, म्यांमार, श्रीलंका आदि देशों में अपने विमान भेजने के लिए काफी लंबा रूट लेना होगा। इससे वहां की हवाई यात्रा महंगी होगी।

राष्ट्रीय सुरक्षा ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

में सुरक्षा स्थिति पर चर्चा के लिए प्र.मंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा बुलाई गई एक उच्च स्तरीय बैठक में यह निर्णय लिया गया।

हनुमानगढ़ी के गद्दीनशीन महंत ने 2 8 8 साल की परम्परा तोड़ी, रामलला के दर्शन किए

हनुमानगढ़ी की परम्परा है कि गद्दीनशीन महंत हनुमानगढ़ी की सीमा (52 बीघा) से कभी बाहर नहीं जाते हैं

■ अक्षय तृतीया पर गद्दीनशीन महंत प्रेमदास शोभायात्रा के साथ रामलला के मंदिर आए और रामलला को छप्पन भोग अर्पित किया।

अयोध्या, 30 अप्रैल। सिद्ध पीठ हनुमानगढ़ी 1 मंदिर के गद्दीनशीन महंत 288 साल की परंपरा को तोड़कर अक्षय तृतीया के दिन शाही जुलूस के साथ रामलला के दर्शन के लिए निकले। सुबह 7.30 बजे घोड़ा, हाथी और बैड बाजे के साथ हनुमानगढ़ी के निशान के साथ गद्दीनशीन सरयू घाट पहुंचे। स्नान के उपरान्त, सरयू नदी में दुग्धाभिषेक किया और 11 मीटर की चुनरी चढ़ाई। इसके बाद वहां से शोभा यात्रा राम पथ के रास्ते राम मंदिर परिसर पहुंची, जहां राम मंदिर में दर्शन-पूजन के साथ गद्दीनशीन प्रेमदास ने रामलला को छप्पन भोग का प्रसाद भी अर्पित किया। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, हनुमानगढ़ी के गद्दीनशीन का पद बहुत

महत्वपूर्ण और प्रमुख होता है। गद्दीनशीन अपने जीवन काल में कभी भी हनुमानगढ़ी के सीमा 52 बीघा के बाहर नहीं निकल सकता। हनुमान जी के प्रतिनिधि के तौर पर गद्दीनशीन को माना जाता है। हनुमानगढ़ी के गद्दीनशीन प्रेमदास जी की इच्छा के अनुसार पंचायत

हाई कोर्ट ने तलाकशुदा ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

याचिकाकर्ता की मां की भी मौत हो गई। याचिका में कहा गया कि याचिकाकर्ता का अपने पति से तलाक हो गया था और कोर्ट से नवंबर, 1979 में तलाक की डिक्री जारी होने के बाद से वह अपने माता-पिता के साथ ही रहती आ रही थी। मां के निधन के बाद याचिकाकर्ता ने साल 2019 में फैमिली पेंशन के लिए विभाग में प्रार्थना पत्र दिया, जिसे विभाग के अफसर एक दूसरे को भेजते रहे, लेकिन उस पर कोई निर्णय नहीं लिया गया। इस पर याचिकाकर्ता ने

तलाकशुदा पुत्री वर्ग में फैमिली पेंशन लेने के लिए पुनः प्रार्थना पत्र दिया। याचिका में कहा गया कि बीते करीब चार साल से विभाग न तो उसके प्रार्थना पत्र का निस्तारण कर रहा है और न उसे फैमिली पेंशन जारी कर रहा है। याचिका पर सुनवाई के दौरान, शिक्षा विभाग की ओर से मामले में अपना जवाब पेश करने के लिए चार सप्ताह का समय मांगा गया।

इस पर अदालत ने याचिकाकर्ता को तलाकशुदा पुत्री वर्ग में फैमिली पेंशन जारी करने के आदेश दिए हैं।

सेना की मदद के लिए रेल्वे ने किए महत्वपूर्ण बदलाव

रेल्वे ने कई गाड़ियों के रूट बदल दिए, ताकि, आपात स्थिति के लिए ट्रैक को खाली रखा जाए

■ सेना ने पहलगाम हमले के बाद सीमा पर उत्पन्न हालात को देखते हुए सैनिकों की आवाजाही व रसद आपूर्ति के लिए रेल्वे ट्रैक खाली रखने का आग्रह किया था रेल्वे से।

नयी दिल्ली, 30 अप्रैल। पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद सीमा पर उत्पन्न परिस्थितियों में सशस्त्र बलों को रसद आपूर्ति के लिए लाइन खाली रखने एवं पथ उपलब्ध कराने को लेकर रेल्वे में तैयारियां जोरों पर हैं।

रेल भवन में मंगलवार शाम हुई एक महत्वपूर्ण बैठक में रेल्वे एवं सेना के उच्चाधिकारी शामिल हुए। पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद सीमापार सैन्य कार्रवाई की तैयारियों के बीच सेना ने रसद आपूर्ति, सैन्य सज्जा सामान एवं सैनिकों के द्रुत गति से परिवहन के लिए रेल्वे से लाइनों को खाली रखने एवं मार्ग उपलब्ध कराने का अनुरोध किया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार रेल्वे ने प्रमुख सैन्य छावनियों एवं रक्षा उत्पादन इकाइयों से सामरिक बिन्दुओं

स्थिति के लिए सुरक्षित किया जा रहा है।

बताया गया है कि रेल्वे के दोनों सर्मापित मालवहन कॉरीडोर भी सैन्य परिवहन के लिए प्राथमिकता के आधार पर उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया है। इसके अलावा कंटेनर परिवहन के काम आने वाले मालगाड़ी रैक भी टैंकों एवं बखराबंद वाहनों, तोपों एवं गोला बारूद के परिवहन के लिए उपयुक्त रैक एवं कंटेनरों को भी सेना के अधिकारियों के साथ मिल कर जुटाया जा रहा है।

यह भी पता चला है कि गुजरात, राजस्थान, पंजाब एवं जम्मू कश्मीर की सीमा के अलावा बंगलादेश से लाती पश्चिम बंगाल, असम सहित पूर्वोत्तर की लाइनों को भी सैन्य परिवहन के हिसाब से तैयार रखने के निर्देश दिये गये हैं।

अमेरिका की जीडीपी 0.3 प्रतिशत...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

आएगा और जब ऐसा होगा तो यह बहुत ऊँचाई तक जाएगा।

हालांकि, शेयर बाजार राष्ट्रपति की बातों से सहमत नहीं लग रहा। प्रमुख बाजार सूचकांकों में तेज गिरावट आई है। डाओ जोंस इण्डेक्स, जो व्यापक आर्थिक क्षेत्रों का मापदंड है, 400 अंक (या एक प्रतिशत) गिर गया।

अन्य दो प्रमुख सूचकांक, एसएंडपी 500 में 1.5 प्रतिशत की गिरावट आई, और तकनीकी कंपनियों वाले नैसडैक में 2.2 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। यह गिरावट शेयर बाजार की समग्र गिरावट को दर्शाती है। पिछली बार इतनी व्यापक गिरावट 2007 के वैश्विक वित्तीय संकट के दौरान देखी गई थी।

अमेरिकी अर्थव्यवस्था कई मायनों में भारत जैसी है। यहां भी घरेलू उपभोग व्यय (डॉमेस्टिक कंजम्पशन

एक्सपेंडिचर) अर्थव्यवस्था की गति तय करता है। जी.डी.पी. ऑकड़े उपभोक्ता के विश्वास की स्थिति को दर्शाते हैं। इस वर्ष की पहली तिमाही में उपभोक्ता खर्च में केवल 1.8 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जबकि इसके पहले के तीन महीनों में यह 4 प्रतिशत थी। यह दर्शाता है कि उपभोक्ता विश्वास किस हद तक आहत हुआ है और डिस्पोजैबल इन्कम (खर्च करने योग्य आय) में किस हद तक मंदी देखी जा रही है।

दूसरी ओर, कर्न्ट अकाउन्ट डैफिसिट (चालू बजट घाटा) भी बढ़ रहा है। नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, मार्च में अमेरिकी माल में यू.एस. ट्रेड डैफिसिट 9.6 प्रतिशत बढ़कर 162.007 के वैश्विक वित्तीय संकट के दौरान देखी गई थी।

यानी अमेरिका अभी भी अपने निर्यात से ज्यादा आयात कर रहा है- यह उस स्थिति के बिल्कुल विपरीत है

के निर्णय के बाद 288 सालों के इतिहास में पहला मौका था, जब हनुमानगढ़ी का कोई गद्दीनशीन रामलला का दर्शन करने के लिए गए। इस दौरान अयोध्या के साधु संतों में खासा उत्साह दिखा। 51 जगह पर पुष्प वर्षा के साथ शाही जुलूस का स्वागत किया गया। प्रेमदास ने रामलला के दर्शन की इच्छा जताई थी। कहा था- मेरे सपने में हनुमान जी आए थे। उन्होंने रामलला के दर्शन करने का आदेश दिया था। इसके बाद उन्होंने अखाड़े के सभी सदस्यों की 21 अप्रैल को बैठक बुलाई।

इस बैठक में परंपरा बदलने के फैसले पर मुहर लगी। तय हुआ, प्रेमदास रामलला के दर्शन करने जाएंगे। संत प्रेमदास 2016 में हनुमानगढ़ी के 22वें गद्दीनशीन महंत बने थे।

दुष्कर्म पीड़िता ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

नहीं रखना चाहती है। ऐसे में उसे 20 सप्ताह के भ्रूण का गर्भपात कराने की मंजूरी दी जाए। सुनवाई के दौरान अदालती आदेश की पालना में एसएमएस अस्पताल की ओर से पीड़िता का परीक्षण कर मेडिकल रिपोर्ट अदालत में पेश की गई। जिसमें माना गया कि पीड़िता के 20 सप्ताह का गर्भ है। वहीं, यदि उसका गर्भपात किया गया तो उसका कोई प्रतिकूल प्रभाव भी नहीं पड़ेगा। रिपोर्ट में कहा गया कि पीड़िता को खून की कमी है।

पाकिस्तान ने पांचवे दिन भी सीमा पर फायरिंग की

नयी दिल्ली, 30 अप्रैल। पाकिस्तानी सेना ने लगातार पांचवें दिन मंगलवार रात को भी जम्मू- कश्मीर के नौशेरा, सुंदरबनी और अखनूर सेक्टरों में नियंत्रण रेखा पर बिना उकसावे के छोटे हथियारों से गोलीबारी की।

सेना के प्रवक्ता ने बुधवार सुबह बताया कि इसके अलावा पाकिस्तानी

■ सेना के प्रवक्ता ने बताया कि कश्मीर में एलओसी पर पाकिस्तान की फायरिंग सेना ने करारा जवाब दिया।

सेना की चौकियों से बारामुला और कुपवाड़ा जिलों में नियंत्रण रेखा के पार से और परगवाल सेक्टर में अंतरराष्ट्रीय सीमा के पार से भी बिना उकसावे के छोटे हथियारों से गोलीबारी की गई। भारतीय सेना के जवानों ने तेजी से और अनुपातिक रूप से इसका उचित जवाब दिया।